सीबीएसई कक्षा - 12 हिन्दी (केन्द्रिक) सेट-2
(foreign) 2016

निर्देश:

- इस प्रश्न पत्र में **14** प्रश्न हैं।
- **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।
- विद्यार्थी यथासंभव अपने शब्दों में उत्तर लिखें।

खण्ड-'क'

1. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए: (1×5=5)

तूफ़ानों की ओर घुमा दो नाविक निज पतवार।

आज सिंधु ने विष उगला है

लहरों का यौवन मचला है

आज हृदय में और सिंधु में

साथ उठा है ज्वार।

यह असीम निज सीमा जाने

सागर भी तो यह पहचाने

मिट्टी के पुतले मानव ने

कभी न मानी हार।

लहरों के स्वर में कुछ बोलो
इस अंधड़ में साहस तोलो

कभी-कभी मिलता जीवन में

तूफ़ानों का प्यार।

सागर की अपनी क्षमता है

पर नाविक भी कब थकता है

जब तक साँसों में स्पंदन है

उसका हाथ नहीं रुकता है

इसके ही बल पर कर डाले सातों सागर पार

तूफ़ानों की ओर घुमा दो नाविक निज पतवार।

(क) कवि नाविक से क्या अनुरोध कर रहा है और क्यों?

(ख) कवि के अनुसार समुद्र को क्या पहचान लेना चाहिए?

(ग) नाविक के स्वभाव और संघर्ष को स्पष्ट कीजिए।

(घ) आशय स्पष्ट कीजिए- 'कभी-कभी मिलता जीवन में

तूफ़ानों का प्यार'

(ङ) काव्यांश का केंद्रीय भाव क्या है?

उत्तर- (क)

- कठिनाइयों में डटा रहे।
- संघर्षों से पलायन न करें।
- क्योंकि परिस्थितियाँ विपरीत हैं।

(ख) मनुष्य ने कभी हार नहीं मानी।

(ग) जब तक उसकी साँसों में स्पंदन है, तब तक वह अपना कार्य करता रहता है।

(घ) कभी-कभी ही हमें चुनौतियों का सामना कर मानव शक्ति का परिचय देने का अवसर मिलता है।

(ङ) संघर्ष ही जीवन है।

2. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए: (15)

मुक्त बाज़ार की अर्थव्यवस्था ने जहाँ एक ओर शिक्षा और रोज़गार के लिए अनेक अवसर प्रदान किए हैं वहीं हिंदी भाषा के लिए भी। बाज़ार में अधिसंख्य उपभोक्ता चूँकि हिंदी भाषी हैं इसलिए उत्पाद-विपणन, व्यापार और विज्ञापन के लिए हिंदी की आवश्यकता है। देश में भी हिंदी का चलन बढ़ा है। निहित राजनीतिज्ञ स्वार्थों को किनारे कर दें तो हिंदी का प्रचार-प्रसार बढ़ रहा है। हिंदीतर भाषा-

भाषी राज्यों, विशेषकर दक्षिण के राज्यों के प्रमुख नगरों में हिंदी प्रसार का एक कारक 'मार्केट से हिंदी का जुड़ाव भी है। हिंदी का कारवाँ भारत में ही नहीं, विदेशों में भी बढ़ रहा है। दुबई, रूस और ब्रिटेन में तो पहले से ही हिंदी अनजान भाषा नहीं थी; आज अमेरिका, यूरोप, दक्षिण-पूर्व एशिया, दक्षिण अफ्रीका आदि में भी हिंदी व्यवहार में आ रही है। जिन देशों में साम्राज्यवादी दिनों में भारतीय मज़दूर ले जाए गए थे वे आज भी भारतीय मूल का होने पर गर्व करते हैं और हिंदी को पूरे उत्साह के साथ अपनाए हुए हैं। उनमें मॉरिशस, फिज़ी, ट्रिनीडाड, सूरिनाम जैसे देश हैं। वहाँ हिंदी बाज़ार की ही भाषा नहीं, साहित्य और पत्रकारिता की भाषा भी है। उनकी पीड़ा ये है कि भारत ने अपने भारतवंशियों को भुला दिया है। ये लोग बँधुआ मज़दूर के रूप में ले जाए गए थे परंतु आज हमारे सांस्कृतिक दूत हैं। यह ऐसे ही है जैसे हज़ारों वर्ष पूर्व हमारे ऋषियों ने या बाद में बौद्धभिक्षुओं ने समुद्रों, पर्वतों को लाँघकर भारतीयता का प्रचार किया था। भारत हिंदी को संयुक्त राष्ट्र की भाषा बनाने के लिए प्रतिबद्ध है तो उसके साथ यह दायित्व भी उसी का है कि विश्वभर में बिखरे हिंदी भाषियों को बौद्धिक और संसाधनों से समर्थन प्रदान करे।

(क) उपर्युक्त अनुच्छेद का एक शीर्षक दीजिए। (1)

(ख) मुक्त बाज़ार के किन लाभों का उल्लेख किया गया है? (2)

(ग) मुक्त बाज़ार से हिंदी को क्या लाभ हुआ है? क्यों? (2)

(घ) दक्षिण भारत में हिंदी की क्या स्थिति है? क्यों? (2)

(ङ) साम्राज्यवादी दौर में भारतीय विदेशों में क्यों और कहाँ-कहाँ ले जाए गए? (2)

(च) उन प्रवासियों की पीड़ा क्या है और कहाँ तक ठीक है? (2)

(छ) "वे बँधुआ मज़दूर आज भारत के सांस्कृतिक दूत हैं"- आशय स्पष्ट कीजिए। (2)

(ज) हिंदी के अधिक प्रचार-प्रसार के लिए भारत को क्या करना चाहिए - दो सुझाव दीजिए। (2)

उत्तर- (क)

- विदेश में हिन्दी का कारवाँ।
- हिन्दी के बढ़ते चरण।
  (कोई अन्य उपयुक्त शीर्षक भी स्वीकारें।)

(ख)

- शिक्षा व रोजगार के अवसर।
- अर्थ व्यवस्था का विस्तार।

(ग)

- अधिकांश उपभोक्ता हिन्दी भाषी होने के कारण व्यापार प्रसार से हिन्दी का चलन बढ़ा।
- भारत के बाहर भी हिन्दी का प्रचलन बढ़ा।

(घ) दक्षिण भारत में हिन्दी के प्रति जागरूकता बढ़ी है क्योंकि बाज़ार से हिन्दी का जुड़ाव है।

(ङ)

- साम्राज्यवादी दौर में मज़दूरी करने के लिए मज़दूर विदेश ले जाए गए।
- मॉरीशस, फिज़ी, ट्रिनीडाड, सूरीनाम आदि।

(च)

- भारत ने अपने भारतवंशियों को भुला दिया।
- उनकी पीड़ा उचित है। लेकिन धीरे-धीरे स्थितियाँ बदल रही हैं।
  (अन्य विचार भी स्वीकार्य।)

(छ) बंधुआ मज़दूर आज भी हमारी भारतीय भाषा एवं संस्कृति के प्रचारक हैं, ऋषि मनीषियों की तरह।

(ज)

- हिन्दी के प्रति प्रतिबद्धता दिखाएँ।
- विश्व भर में हिन्दी भाषियों को समर्थन प्रदान करें।
  (अन्य विचार भी स्वीकार्य।)

खण्ड-'ख'

3. 'प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा का माध्यम मातृभाषा ही होना चाहिए।' इसके पक्ष या विपक्ष में तर्क देते हुए किसी समाचार-पत्र के संपादक को पत्र लिखिए। (5)

उत्तर- पत्र-लेखन:

- आरंभ और अंत की औपचारिकताएँ
- प्रभावी विषय-वस्तु
- भाषा/प्रस्तुति

अथवा

ग्रामीण अंचलों में किसानों की शोचनीय दशा के कारणों का विश्लेषण करते हुए अपने राज्य के कृषि मंत्री को पत्र लिखिए।

उत्तर- पत्र-लेखन:

- आरंभ और अंत की औपचारिकताएँ
- प्रभावी विषय-वस्तु
- भाषा/प्रस्तुति

4. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक पर निबन्ध लिखिए: (5)

(क) भ्रष्टाचार की समस्या

(ख) प्रगति पथ पर भारत

(ग) समाचार-पत्र

(घ) क्या नहीं कर सकती नारी

उत्तर- किसी एक विषय पर निबंध अपेक्षित:

- भूमिका एवं उपसंहार
- विषय-वस्तु
- भाषा की शुद्धता एवं प्रस्तुति

5. 'नगरों की ओर पलायन' अथवा 'महँगाई का दानव' विषय पर एक फ़ीचर का आलेख लिखिए। (5)

उत्तर- किसी एक फीचर का लेखन-

- विषय - वस्तु
- प्रभावी प्रस्तुति
- भाषा की शुद्धता

6. निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए: (1×5=5)

(क) 'समाचार' क्या है? कोई एक परिभाषा स्पष्ट कीजिए।

(ख) प्रिंट माध्यम की दो उपयोगिताएँ लिखिए।

(ग) संपादन के किन्हीं दो सिद्धांतों का उल्लेख कीजिए।

(घ) 'पीत पत्रकारिता' किसे कहा जाता है?

(ङ) रेडियो समाचारों की भाषा की दो विशेषताएँ समझाइए।

उत्तर- (क) समाचार किसी भी ऐसी ताजी घटना, विचार या समस्या की रिपोर्ट है, जिसमें अधिक से अधिक लोगों की रुचि है।

अधिक लोगों पर प्रभाव पड़ रहा हो।

(ख)

- स्थायित्व।
- कभी भी कहीं भी पढ़ा जा सकता है।
- लिखित भाषा का विस्तार।
- लम्बे समय तक सुरक्षित रख सकते हैं।
  (कोई दो बिन्दु)

(ग)

- तथ्यों की शुद्धता।
- वस्तुपरकता।
- निष्पक्षता।
- संतुलन।
- स्रोत।
  (कोई दो मान्य)

(घ)

- सनसनी।
- चकाचौंध या ग्लैमर फैलाने वाली पत्रकारिता।

(ङ)

- लोक प्रचलित सरल शब्दावली।
- स्पष्ट भाषा।
- छोटे-छोटे वाक्यों का प्रयोग।
  (कोई दो बिन्दु)

7. मेक इन इंडिया' अथवा 'हमारे सैनिक' विषय पर एक आलेख लिखिए। (5)

उत्तर- किसी एक आलेख का लेखन-

- विषय - वस्तु
- प्रभावी अभिव्यक्ति
- भाषा/प्रस्तुति

खण्ड-'ग'

8. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए: (2×3=6)

आँगन में लिए चाँद के टुकड़े को खड़ी

हाथों पे झुलाती है उसे गोद-भरी

रह-रह के हवा में जो लोका देती है

गूँज उठती है खिल-खिलाते बच्चे की हँसी।

(क) काव्यांश के वात्सल्य भाव को स्पष्ट कीजिए।

(ख) 'चाँद के टुकड़े को' - अलंकार सौंदर्य स्पष्ट कीजिए।

(ग) काव्यांश की भाषा की दो विशेषताएँ लिखिए।

उत्तर- (क)

- माँ के द्वारा बच्चे को उछालने-झुलाने और प्यार करने की स्वाभाविक प्रक्रिया का वर्णन।
- बच्चे की किलकारी एवं खुशी का स्वाभाविक वर्णन।

(ख)

- रूपक अलंकार।
- उपमेय में उपमान को आरोपित किया गया है। बच्चे को चाँद का टुकड़ा माना।

(ग)

- आंचलिक एवं देशज भाषा का प्रयोग।
- सहजता एवं सरसता।

अथवा

सवेरा हुआ

खरगोश की आँखों जैसा लाल सवेरा

शरद आया पुलों को पार करते हुए

अपनी नई चमकीली साइकिल तेज चलाते हुए।

(क) खरगोश की आँखों से किसकी तुलना की गई है? क्यों?

(ख) काव्यांश के मानवीकरण को स्पष्ट कीजिए।

(ग) काव्यांश की भाषा की दो विशेषताएँ लिखिए।

उत्तर- (क)

- प्रातःकाल से।
- शरद ऋतु के प्रातःकाल एवं खरगोश की आँखों के रंग और चमक में समानता है।

(ख)

- शरद आया.................चलाते हुए।
- शरद ऋतु को मानव जैसा कार्य करता हुआ दिखाया गया है। ‘आना’ क्रिया गतिशील है।

(ग)

- खड़ी बोली का सरल-सहज प्रयोग।
- प्रतीकात्मक भाषा। साइकिल चलाना, पुल पार करना।
- विशेषणों का साभिप्राय प्रयोग।

9. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए: (3+3=6)

(क) ‘आत्मपरिचय’ कविता में कवि ने अपने जीवन में किन परस्पर विरोधी बातों का सामंजस्य बिठाने की बात की है?

(ख) ‘कविता के बहाने' उसकी उड़ान और उसके खिलने का आशय स्पष्ट कीजिए।

(ग) ‘बादल राग' के आधार पर लिखिए कि वज्र गर्जन से कौन त्रस्त होते हैं और क्यों?

उत्तर- (क)

- रोदन में राग।
- शीतल वाणी में विचारों की प्रखरता।
- उन्माद में अवसाद।
- बाह्य रूप में प्रसन्न दिखना परंतु अन्दर से दुखी।

(ख)

- चिड़िया की उड़ान कवि की कल्पना की उड़ान।
- फूल खिल कर सर्वत्र सुगन्ध और सौन्दर्य बिखेरते हैं, कविता भावों-विचारों को फैलाती है।
- फूलों का प्रभाव/आनंद सीमित है लेकिन कविता का आनन्द असीमित और शाश्वत है।

(ग)

- धनी और शोषक वर्ग त्रस्त होते हैं।
- धनिकों को क्रांति के कारण अपनी धन-सम्पत्ति छिन जाने का डर सता रहा है।
- शोषित निर्धनों के जागरूक होने के कारण उनकी सुख-सुविधा छिन जाने का भय है।

10. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए: (2×4=8)

जौं जनतेऊँ बन बंधु बिछोहू।

पिता बचन मनतेऊँ नहिं ओहू।।

सुत बित नारि भवन परिवारा।

होहिं जाहिं जग बारहिं बारा।।

अस बिचारि जियें जागहु ताता।

मिलइ न जगत सहोदर भ्राता।।

जथा पंख बिनु खग अति दीना।

मनि बिनु फनि करिबर कर हीना।।

अस मम जिवन बंधु बिनु तोही।

जौं जड़ दैव जिआवै मोही।।

(क) राम पिता का वचन नहीं मानें-क्या यह संभव था? फिर वे ऐसा क्यों कह रहे हैं?

(ख) काव्यांश के आधार पर तुलसीदास के नारी विषयक विचार पर टिप्पणी कीजिए।

(ग) पक्षी और हाथी का उदाहरण क्यों दिया गया है?

(घ) आशय स्पष्ट कीजिए - 'मिलइ न जगत सहोदर भ्राता।'

उत्तर- (क)

- आज्ञाकारी पुत्र राम के लिए यह संभव नहीं था।
- अवतार होने के कारण मानव लीला कर रहे हैं।

(ख)

- तुलसीदास ने भाई के महत्व को बताने के लिए पत्नी के रिश्ते पर टिप्पणी की है जो नारी के महत्व को कम करती है।
- तत्कालीन सामाजिक मान्यता के अनुरूप तुलसी पत्नी को भाई से कमतर मानते हैं।

(ग)

- पंख के बिना पक्षी और सूंड के बिना हाथी का कोई अस्तित्व नहीं ।
- वैसे ही लक्ष्मण के बिना राम की स्थिति है।

(घ)

- ऐसा कर्तव्यनिष्ठ, समर्पित और स्नेही भाई कभी नहीं मिल सकता।
- राम के भ्रातृ-प्रेम का सूचक कथन।

अथवा

जाने क्या रिश्ता है, जाने क्या नाता है

जितना भी उँड़ेलता हूँ भर-भर फिर आता है

दिल में क्या झरना है?

मीठे पानी का सोता है

भीतर वह, ऊपर तुम

मुसकाता चाँद ज्यों धरती पर रात-भर

मुझ पर त्यों तुम्हारा ही खिलता वह चेहरा है!

(क) किसके रिश्ते को कवि समझ नहीं पा रहा है और क्यों?

(ख) कवि को क्यों लगता है कि दिल में कोई झरना है?

(ग) 'भीतर वह, ऊपर तुम' - 'वह' और 'तुम' कौन हैं? स्पष्ट कीजिए।

(घ) मुसकराते चाँद वाली कल्पना को स्पष्ट कीजिए।

उत्तर- (क)

- अपने प्रिय पात्र के।
- क्योंकि जितना प्रेम वह करता है उतना ही अधिक प्रेम भंडार बढ़ता जाता है।

(ख)

- प्रेम की अधिकता के कारण।
- प्रेम - भंडार में कमी न आने के कारण।

(ग)

- वह - आंतरिक प्रेम।
- तुम - प्रिय पात्र।
- भीतर वह का अर्थ हृदय के भीतर बसने वाला प्रिय-पात्र।
- ऊपर तुम का आशय है कवि के प्रेम से भरे हृदय पर प्रिय-पात्र का अधिकार।

(घ) जिस प्रकार पूर्णिमा का चाँद अपनी चाँदनी बिखेर देता है, उसी प्रकार प्रिय-पात्र का स्नेह कवि के जीवन को खुशियों से भर देता है।

11. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए: (2×4=8)

जैसे मेरे नाम की विशालता मेरे लिए दुर्वह है, वैसे ही लक्ष्मी की समृद्धि भक्तिन के कपाल की कुंचित रेखाओं में नहीं बँध सकी। वैसे तो जीवन में प्राय: सभी को अपने-अपने नाम का विरोधाभास लेकर जीना पड़ता है; पर भक्तिन बहुत समझदार है, क्योंकि वह अपना समृद्धि सूचक नाम किसी को बताती नहीं। केवल जब नौकरी की खोज में आई थी, तब ईमानदारी का परिचय देने के लिए उसने शेष इतिवृत्त के साथ यह भी बता दिया; पर इस प्रार्थना के साथ कि मैं कभी नाम का उपयोग न करूँ।

(क) भक्तिन का समृद्धि सूचक नाम क्या था? वह उसे बताना क्यों नहीं चाहती?

(ख) 'मेरे नाम की विशालता मेरे लिए दुर्वह है' - कथन का आशय स्पष्ट कीजिए।

(ग) 'नाम के विरोधाभासों' का आशय सोदाहरण समझाइए।

(घ) आशय स्पष्ट कीजिए- 'भक्तिन की समृद्धि कपाल की कुंचित रेखाओं में नहीं बँध सकी।'

उत्तर- (क)

- लक्ष्मी
- लक्ष्मी नाम समृद्धि का सूचक होता है, पर यह नाम उसकी गरीबी का मजाक उड़ाता प्रतीत होता है।

- वह स्वयं निर्धन थी इसलिए उसे लक्ष्मी नाम से संकोच होता था।

(ख)

- महादेवी का अर्थ है - महान् और महिमामयी देवी।
- लेखिका के जीवन में महान और देवी जैसी महानता या महिमा नहीं है।

(ग)

- लेखिका नाम के अनुरूप महिमामयी देवी न हो सकी।
- भक्तिन ‘लक्ष्मी’ हो कर भी गरीब थी।

(घ)

- लोक - विश्वासों में माथे की रेखाआ का सम्बन्ध भाग्य से जोड़ा जाता है।
- लक्ष्मी के भाग्य में सुख नहीं था।

अथवा

बाज़ार को सार्थकता भी वही मनुष्य देता है जो जानता है कि वह क्या चाहता है। और जो नहीं जानते कि वे क्या चाहते हैं, अपनी ‘पर्चेज़िंग पावर के गर्व में अपने पैसे से केवल एक विनाशक शक्ति - शैतानी शक्ति, व्यंग्य की शक्ति ही बाज़ार को देते हैं। न तो वे बाज़ार से लाभ उठा सकते हैं, न उस बाज़ार को सच्चा लाभ दे सकते हैं। वे लोग बाज़ार का बाज़ारूपन बढ़ाते हैं।

(क) बाज़ार को सार्थकता कौन देता है? कैसे?

(ख) खरीदने की शक्ति का घमंड बाज़ार को क्या प्रदान करता है?

(ग) 'बाज़ार की सार्थकता' से क्या तात्पर्य है?

(घ) आशय स्पष्ट कीजिए- ‘वे लोग बाज़ार का बाज़ारूपन बढ़ाते हैं।’

उत्तर- (क)

- जो ग्राहक अपनी आवश्यकताओं को भली-भाँति जानता है।
- अपनी आवश्यकतानुसार वस्तुओं को खरीद कर।

(ख)

- विनाशक शक्ति।
- शैतानी और व्यंग्य-शक्ति।

(ग)

- ग्राहकों की जरूरतें पूरी करना।
- ग्राहकों की संतुष्टि करना।

(घ)

- ‘वे लोग’ - जिनको अपनी क्रय शक्ति पर गर्व है।
- क्रय शक्ति के गर्व में अनावश्यक वस्तुओं को खरीदना।
- छल-कपट का वातावरण।

12. निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए: (3×4=12)

(क) ‘काले मेघा पानी दे’ पाठ में लेखक और जीजी के विचारों में मूलभूत अंतर क्या है?

(ख) “’पहलवान की ढोलक’ कहानी गरीब, असहाय ग्रामीणों के मृत्यु-संघर्ष की कथा है।” कथन के पक्ष या विपक्ष में सोदाहरण तर्क दीजिए।

(ग) ‘नमक’ कहानी की लोकप्रियता के तीन कारणों का उल्लेख कीजिए।

(घ) लेखक ने शिरीष के बहाने मनुष्य की ‘अधिकार लिप्सा’ पर भी प्रहार किया है। सोदाहरण प्रतिपादित कीजिए।

(ङ) जातिप्रथा हमारे देश में बेरोजगारी और भुखमरी का कारण कैसे बनती रही है? डॉ. आंबेडकर के विचारों के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर- (क)

- जीजी के अनुसार कुछ पाने के लिए त्याग आवश्यक जबकि लेखक के अनुसार इंदर सेना पर पानी फेंकना अंधविश्वास।
- जीजी की सोच/दृष्टिकोण धर्म एवं लोक परंपराओं से अनुप्रमाणित थी जबकि लेखक का दृष्टिकोण आधुनिक एवं वैज्ञानिक।
- जीजी भावुक एवं कोमल हृदय थीं जबकि लेखक व्यावहारिक एवं तार्किक।

(ख) पक्ष-

- असहाय व गरीबों द्वारा महामारी से अकेले संघर्ष।
- राज व्यवस्था या अन्य किसी व्यवस्था से मदद नहीं मिलना।
- मात्र ढोलक की आवाज से मृत्यु से संघर्ष।

विपक्ष-

- बदलती हुई व्यवस्था से लोक कलाओं का उपेक्षित होना।

- लोक-कलाकारों की जीविका का संकट उत्पन्न होना।
  (अन्य उपयुक्त बिंदु)
  (विद्यार्थियों द्वारा पक्ष या विपक्ष में तीन उपयुक्त तर्क स्वीकार्य।)

(ग)

- मानवीय संवेदनाओं, भाईचारे और प्रेम का प्रतीक।
- विभाजन की त्रासदी और निहित संवेदना का चित्रण।

(घ)

- जरा और मृत्यु संसार का सबसे बड़ा सत्य।
- शिरीष के फलों का अपने स्थान पर डटे रहना।
- पुराने लोगों द्वारा नए विचारों को मान्यता देने में संकोच।

(ङ)

- जीवन भर मनुष्य को एक ही पेशे से बाँध देना।
- मनुष्य को पेशा चुनने की स्वतंत्रता न देना।
- पेशे का दोषपूर्ण पूर्व निर्धारण करना।

13. यशोधर पंत के जीवन से हमें किन जीवन मूल्यों की प्रेरणा मिलती है? समीक्षा कीजिए। (5)

उत्तर-

- सत्य, ईमानदारी।
- बड़ों का सम्मान।
- लड़का-लड़की में भेद नहीं करते।
- पैसों का अनावश्यक व्यय नहीं करते।
- भारतीय मूल्य एवं मान्यताओं में विश्वास।
- सिद्धांतवादी।
- अधिकारी के रूप में सहयोगियों के प्रति अच्छा व्यवहार।

14. (क) 'अतीत में दबे पाँव' के आधार पर सिंधु घाटी सभ्यता की प्रमुख विशेषताओं का उल्लेख कीजिए। (5)

(ख) 'जूझ' कहानी के कथानायक के जीवन संघर्ष पर प्रकाश डालिए। (5)

उत्तर- (क)

- साधन-सम्पन्न सभ्यता।
- सुनियोजित नगर व्यवस्था।
- समाज में एकरूपता।
- कला में सुरूचि।
- सुसंस्कृत, उन्नत सभ्यता।
- राज-पोषित नहीं, समाज-पोषित व्यवस्था।

  (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य।)

(ख)

- पढ़ाई जारी रखने के लिए संघर्ष।
- पिता की शर्तों के अनुसार अध्ययन के लिए संघर्ष।
- कविता लेखन सीखने का संघर्ष।
- सहपाठियों से तालमेल बिठाने के लिए संघर्ष।

  (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य।)